अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

प्रिय शेयरधारको,

वित्त वर्ष 2013-14 के लिए आपके बैंक की अठारहवीं वार्षिक रिपोर्ट आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है. इस महान संस्था के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में मैं आपको लगातार दूसरे वर्ष संबोधित कर रहा हूं.

वित्त वर्ष 2013-14 एक चुनौतीपूर्ण वर्ष रहा जिसमें कठिन आर्थिक परिस्थितियां बनी रही.

मुझे आपको यह सूचित करते हुए खुशी होती है कि आपके निरंतर सहयोग और ग्राहकों के विश्वास से आपके बैंक ने चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक वातावरण तथा विपरीत बाजार स्थितियों में भी प्रगति जारी रखी और 31.03.2014 को अब तक का सबसे अधिक ₹ 1,88,650.00 करोड़ का संमिश्र कारोबार प्राप्त किया.

वर्ष के दौरान भारत सरकार, भारतीय जीवन बीमा निगम तथा भारतीय साधारण बीमा निगम ने बैंक की शेयर पूंजी में क्रमश: ₹ 700 करोड़, ₹ 282 करोड़ तथा ₹ 84 करोड़ का अभिदान किया. इसके अतिरिक्त भारतीय जीवन बीमा निगम ने ₹ 780 करोड़ के बेसल III अनुपालन वाले टीयर II बॉण्ड में भी अभिदान किया. इस प्रकार पूंजी में वृद्धि से बैंक ने अपने कारोबार का विस्तार किया और कठोर बेसल III मानदंडों के अंतर्गत बैंक ने पूंजी पर्याप्तता अनुपात में भी सुधार किया.

वर्ष 2013-14 के दौरान बैंक के निष्पादन की विशेषताएं आपके समक्ष रखने से पूर्व मैं आपको आर्थिक और वित्तीय वातावरण के बारे में भी जानकारी देना चाहता हूं, जिसका बैंक के समग्र निष्पादन पर व्यापक प्रभाव पड़ा.

वैश्विक आर्थिक वातावरण

वैश्विक क्रियाकलाप तथा विश्व व्यापार ने 2013 की दूसरी छमाही में गति पकड़ी. 2013 की दूसरी छमाही में उभरते बाजार तथा विकासशील अर्थव्यवस्था ने भी गति पकड़ी, लेकिन विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में वह गति कमजोर रही.

यूनायटेड स्टेटस् ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई. 2014 में यूनायटेड स्टेटस् में विकास दर 2.75% रहने की आशा है.

यूरो क्षेत्र मंदी से उभर रहा है. 2014 में यह विकास दर 1.20% तक तथा 2015 में 1.50% रहने की संभावना है. लेकिन फिर भी प्रगति समान नहीं रहेगी. यह प्रगति सामान्यत: दबावपूर्ण अर्थव्यवस्था में संतुलित रहेगी.

जापान में वार्षिक विकास दर 2014 में 1.40% तथा 2015 में 1.00% तक संतुलित रहने की उम्मीद है.

उभरते बाजार तथा विकासशील अर्थव्यवस्था में यह विकास दर क्रमश: 2013 में 4.70% से 2014 में लगभग 5.00% तथा 2015 में 5.25% तक रहने की संभावना है.

संक्षेप में वैश्विक विकास दर 2013 में 3.00% से 2014 में 3.60% तथा 2015 में 3.9% तक बढ़ने की संभावना है.

यद्यपि अत्यधिक मंदी का दौर निकल चुका है, वैश्विक अर्थव्यवस्था 2014 में विकास पथ पर रहने की संभावना है, फिर भी संकुचित वित्तीय परिस्थितियों और मुद्रा स्फीति में अंतर से जोखिम उत्पन्न होगा.

घरेलू आर्थिक परिदृश्य

नए वित्त वर्ष के आरंभ में यह आशा उत्पन्न हुई कि अर्थव्यवस्था मंदी से उभरेगी. 2013-14 की दूसरी और तीसरी तिमाही के दौरान क्रमश: 4.8 तथा 4.7 प्रतिशत की वृद्धि दर रिकार्ड की गई जो कि यह दर्शाते हैं कि आर्थिक मंदी जिसने 2010-11 की चौथी तिमाही की विकास दर 9.6% को नीचे गिराकर 2013-14 की प्रथम तिमाही में 4.4% कर दिया था वह अब समाप्त हो गई है. इसके अतिरिक्त आर्थिक सहयोग और विकास संगठन ने 2014 के लिए 4.9% की विकास दर का अनुमान लगाया है जोकि 2013 के दौरान प्राप्त 4.5% की दर से अधिक है.

फिर भी, वैश्विक वित्तीय अशांति के कारण पूंजी का बहिर्गमन हुआ और विनिमय दर पर दबाव बढ़ा. भारतीय रिज़र्व बैंक के कठोर नीतिगत उपायों से मुद्रा स्थिर हुई, रिज़र्व पुन: बना तथा चालू खाते के बढ़ते घाटे को कम किया. भारत के व्यापार घाटे में अप्रैल - फरवरी 2012-13 से अप्रैल - फरवरी 2013-14 के दौरान 29% की कमी हुई और इस अवधि के दौरान अधिकांश उभरते बाजार की मुद्राओं की तुलना में रूपये की स्थिति अच्छी रही.

Dear Shareholders,

It gives me immense pleasure to place before you the 18th Annual Report of your Bank for the financial year 2013-14. This is the second year in succession that I am addressing you as the Chairman and Managing Director of this great institution.

The FY 2013-14 was a challenging year that witnessed tough economic conditions.

I am pleased to inform you that with your unstinted support and confidence of the customers, your Bank showed resilience in this challenging macroeconomic environment and adverse market conditions and achieved an all-time high Business Mix of ₹1,88,650 cr as on 31st March, 2014.

During the year, Government of India (GOI), Life Insurance Corporation of India (LIC) and General Insurance Corporation of India (GIC) subscribed to share capital of the Bank by an amount ₹ 700 cr, ₹ 282 cr and ₹ 84 cr respectively. Additionally LIC also subscribed to Basel III compliant Tier – 2 Bonds by an amount ₹ 780 cr. These capital infusions enabled the Bank to expand business and also to improve Capital Adequacy Ratio of the Bank under stringent Basel III norms.

Before sharing the performance highlights of the Bank during the year 2013-14, I wish to brief you about the economic and financial environment which had a strong bearing on the overall performance of the Bank.

Macro Economic Environment:

Global activity and world trade picked up in the second half of 2013. Growth also picked up in the emerging market and developing economies (EMDEs) during H2 of 2013, but the momentum looks weaker than in the Advanced Economies (AEs).

The United States has long been the main engine driving the global economy. In 2014 growth in the United States is expected to be 2.75%.

The euro area is turning the corner from recession to recovery. Growth is projected to strengthen to 1.20 % in 2014 and 1.50 % in 2015, but the recovery will be uneven. The pickup will generally be more modest in economies under stress.

In Japan, annual growth is expected to moderate at 1.40 % in 2014, and 1.00 % in 2015.

In EMDEs the growth is projected to pick up gradually from 4.70% in 2013 to about 5.00% in 2014 and to 5.25% in 2015.

To sum up global growth is projected to increase from 3.00% in 2013 to 3.60% in 2014 and 3.90% in 2015.

While the worst fears have faded, Global Recovery will be on track in 2014, though tightening financial conditions and the divergence in inflation pose risks.

Domestic Economic Development

The beginning of the new FY ushers in a hope that worst is likely to be over in economic front. Improvement recorded in growth rate during Q2 and Q3 of 2013-14 to 4.8 and 4.7 per cent respectively, are indications that the economic slowdown that caused the spiraling down of growth rate 9.6% in Q4 of 2010- 11 to 4.4% in Q1 of 2013-14 has bottomed up. Further Organization for Economic Cooperation and Development (OECD) has estimated a 4.9% growth for 2014 which is higher than the 4.5% growth achieved during 2013.

Even though, on account of a spell of global financial turbulence caused capital outflows and pressure on the exchange rate, strong policy measures of RBI stabilized the currency, rebuilt reserves, and narrowed the excessive current account deficit. India's trade deficit during April-February 2013-14 reduced by 29% than what it was during April-February 2012-13 and during this period the rupee fared better than most of other emerging market currencies.

दोनों मुद्रा स्फीति सूचकांक - उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सी.पी.आई.) तथा थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यू.पी.आई.) वर्ष के दौरान घटे. सी.पी.आई. नवंबर 2013 में 11.02% से घटकर फरवरी 2014 में 8.1% के स्तर पर आ गया. 8.1% सी.पी.आई. का 25 महीने में न्यूनतम है. इसी प्रकार उसी अवधि के दौरान डब्ल्यू.पी.आई. में भी महत्त्वपूर्ण गिरावट आई और वह 7.5% से घटकर 4.7% पर आ गया.

भविष्य में अगले वित्त वर्ष में आर्थिक प्रगति होने की संभावना है क्योंकि सुधार की प्रक्रिया जारी है और उसके परिणाम आने लगे हैं. एशियाई विकास बैंक ने भारत की विकास दर 2015 में 6% तक पहुंचने का अनुमान लगाया है.

यह विकास दर रूकी हुई परियोजनाओं के कार्यान्वयन के कारण, खनन क्षेत्र में आई रूकावट के दूर होने तथा उच्च बाहरी मांग तथा ग्रामीण क्षेत्रों से मांग में वृद्धि, जिसने हाल ही में कृषि में रिकार्ड उत्पादन किया है, के कारण उद्योग में प्रतिप्राप्ति होने की संभावना है.

भारतीय रिज़र्व बैंक का नीति वक्तव्य

रूपये के मूल्य में ह्रास तथा खाद्य की कीमतें बढ़ने के कारण पुन: मुद्रा स्फीति का दबाव होने के साथ ही और अनियंत्रित पूंजी खाता घाटे के बीच पूंजी बहिर्गमन तथा विनिमय दर के दबाव को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक ने मौद्रिक नीति को संकुचित करने के लिए अपवादिक नीतिगत उपाय किए.

प्रथम प्रतिरक्षा के रूप में, जुलाई 2013 से मार्जिनल स्थायी सुविधा (एम.एस.एफ.) दर में 200 आधार अंकों की वृद्धि करके अल्पावधि ब्याज दरें बढ़ाई गई और तरलता समायोजन सुविधा(एल.ए.एफ.) के अंतर्गत उपलब्ध तरलता घटाई गई. जब सितंबर 2013 तक मुद्रा बाजार में सामान्य स्थिति उत्पन्न हुई भारतीय रिज़र्व बैंक ने अपवादिक तरलता को कम करने के लिए तथा मौद्रिक उपाय के रूप में एम.एस.एफ. दर में 150 आधार अंकों की 3 चरणों में कमी की.

मुद्रा स्फीति जो पुन: बढ़ने लगी थी उसको नियंत्रित करने के लिए पॉलिसी रिपो दर में 75 आधार अंकों में तीन चरणों में वृद्धि की गई.

वर्ष 2014-15 के लिए मौद्रिक नीति के लिए 3 महत्त्वपूर्ण कार्य हैं. प्रथम मुद्रा स्फीति की दर को घटाना. यद्यपि, वर्ष के दौरान मुद्रा स्फीति की दर घटने लगी है, फिर भी यह सामान्य स्तर से अधिक है. द्वितीय असामान्य परिस्थितियों जैसे लगातार 7 तिमाहियों से 5% से कम की जी.डी.पी. वृद्धि तथा पिछले दो वर्षो से औद्योगिक उत्पादन (आई.आई.पी.) के स्थिर सूचकांक को ध्यान में रखते हुए आर्थिक विकास सुनिश्चित करना. तीसरा दीर्घावधि के लिए आपूर्ति बाधाओं को ध्यान में रखते हुए नकारात्मक उत्पादन अंतराल को कम करना.

बैंकिंग उद्योग की प्रवृत्तियां

बैंकिंग उद्योग की विकास दर जो वित्तीय वर्ष 2013-14 के आरंभ में 13.47% थी वित्तीय वर्ष 2013-14 के अंत में बढ़कर 14.63% तक हो गई. गैरखाद्य साख में 14.26% की वृद्धि हुई जबकि(भारतीय रिज़र्व बैंक) की मौद्रिक नीति समीक्षा 2013 के अनुसार) यह 15% रहने का अनुमान था और यह पिछले वर्ष की 14.68% विकास दर से भी कम है.

बैंक का निष्पादन

चुनौतीपूर्ण वातावरण के बावजूद, आपका बैंक अच्छा निष्पादन दर्शाने में सफल रहा और बैंक ने विभिन्न मानदंडों में सर्वांगीण वृद्धि दर्ज की है. मैं कुछ ऐसे क्षेत्रों के बारे में बताना चाहूंगा जिनमें 2013-14 के दौरान आपके बैंक ने अच्छा निष्पादन दर्शाया.

बैंक का कुल कारोबार मार्च 2013 के ₹1,63,664 करोड़ के स्तर से बढ़कर 15.27% की वृद्धि दर से मार्च 2014 में 1,88,650 करोड़ की नई ऊंचाई पर पहुंच गया.

कुल जमा राशियां 13.19% की वृद्धि के साथ मार्च 2014 को ₹ 1,10,028 करोड़ के स्तर पर पहुंच गई जबकि मार्च 2013 में वह ₹ 97,207 करोड़ थी.

बैंक के कुल अग्रिम मार्च 2014 को 18.31% की वृद्धि के साथ ₹ 78,622 करोड़ हो गए जबकि मार्च 2013 में वह ₹ 66,457 करोड़ थे.

Both the inflation indices Consumer Price Index (CPI) and Wholesale Price Index (WPI) declined during the year. CPI declined from 11.2% in November 2013 to 8.1% per cent in February 2014. 8.1% is a 25-month low in CPI. Similarly, during the same period WPI also recorded a significant fall from 7.5% to 4.7%.

Going forward, economic growth is likely to accelerate in the next fiscal as the reform process continues and begins to bear fruit. Asian Development Bank has projected India's growth rate to increase to 6% in 2015.

The acceleration in growth will be on account of implementation of stalled projects, debottlenecking of the mining sector and a recovery in industry on higher external demand and also on account of increase in demand from rural base which has recently recorded record agricultural output.

Reserve Bank of India Policy Stance

To address the capital outflows and exchange rate pressures amid unsustainable Capital Account Deficit and renewed inflationary pressures on account of the rupee depreciation and food price raise Reserve Bank resorted to exceptional policy measures for tightening the monetary policy.

As a first line of defence, since July 2013, short term interest rates were raised by increasing the marginal standing facility (MSF) rate by 200 bps and curtailing liquidity available under the liquidity adjustment facility (LAF). When orderly conditions were restored in the currency market, by September 2013, the Reserve Bank with a view to tone down exceptional liquidity and monetary measures lowered the MSF rate by 150 bps in three steps.

However, with a view to containing inflation that was once again rising, the policy repo rate was hiked by 75 bps in three steps.

For the year 2014-15, there are three important considerations for the monetary policy. First, reducing the inflation levels. During the year though headline inflation has started coming down, it is above comfort level. Second, ensuring economic growth in light of unprecedented situation such as a sub-5% GDP growth for seven successive quarters and stagnant index of industrial production (IIP) growth for two successive years. Third, addressing negative output gap taking into account supply-side constraints on long-run growth.

Banking Industry Trends

Growth of the Scheduled Commercial Bank (SCBs), which was at 13.47% at the beginning of the Financial Year 2013-14, was increased to 14.63% at the end of the Financial Year 2013-2014. Bank Credit registered a Growth of 14.26%, as against 15% projected growth (As per Monetary Policy Review of RBI 2013-14), and it is also less than the previous year Growth of 14.68%.

Performance of the Bank:

Despite this challenging environment, your Bank has been able to perform well, registering an all-round growth in various parameters. I would like to touch upon some of the areas where your Bank has performed well during 2013-14.

Business Mix of the Bank has increased from ₹1,63,664 cr as of March 2013, to a new height of ₹ 1,88,650 cr as of March 2014, registering a growth of 15.27%.

Total Deposits have grown to the level of ₹ 1,10,028 cr as of March 2014 as compared to ₹ 97,207 cr as of March 2013, registering a growth of 13.19%.

Total Advances of the Bank stood at ₹ 78,622 cr as of March 2014 as compared to ₹ 66,457 cr as of March 2013, registering a growth of 18.31%.

इस वर्ष के दौरान भी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुसार ऋण निवेश योजनाबद्ध तरीके से किया गया और एम.एस.एम.ई. तथा रिटेल साख पर ध्यान केंद्रित किया गया. एम.एस.एम.ई. ऋण 23.84% वृद्धि के साथ ₹ 13,217 करोड़ तक पहुंच गए, रिटेल ऋण 25.67% की वृद्धि के साथ ₹ 9,706 करोड़ तक पहुंच गए. कृषि क्षेत्र को दिए गए ऋण मार्च 2014 को 19.30% की वृद्धि के साथ ₹ 8,016 करोड़ तक पहुंच गए.

बैंक की कुल आय में ₹ 1,340 करोड़ (14.03%) की वृद्धि हुई जिससे वह ₹ 10,895 करोड़ तक पहुंच गई जबकि पिछले वर्ष के दौरान अर्जित आय ₹ 9,555 करोड़ थी.

बैंक की ब्याज आय 12.13% की वृद्धि के साथ चालू वर्ष के दौरान ₹ 9,978 करोड़ तक पहुंच गई.

जबकि बैंक की निवल ब्याज आय 5.12% की वृद्धि के साथ ₹ 2505 करोड़ तक पहुंच गई जबकि पिछले वर्ष के दौरान वह ₹ 2,383 करोड़ थी.

वर्तमान वर्ष के दौरान गैर ब्याज आय में 40% की वृद्धि हुई जो ₹ 655 करोड़ से बढ़कर ₹ 917 करोड़ के स्तर तक पहुंच गई.

जैसे की पहले कहा गया है चुनौतीपूर्ण आर्थिक वातावरण में भी आपका बैंक ने ₹ 551.66 करोड़ का निवल लाभ दिखाया है.

मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी होती है कि बैंक के निदेशक मंडल ने वर्तमान वर्ष के लिए जनवरी 2014 में भुगतान किए गए 11% के अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त 11% (₹ 1.10 प्रति शेयर) के अंतिम लाभांश की अनुशंसा की है.

आस्ति गुणवत्ता

वर्ष के दौरान गिरती हुई आस्ति गुणवत्ता के कारण बैंकिंग उद्योग सामान्यत: दबाव में रहा. तथापि, ऐसे चूनौतीपूर्ण वातावरण में भी आपका बैंक सघन प्रयासों के कारण एन. पी.ए. को सीमित रखने में सफल रहा. हाल ही में एन.पी.ए. में गए खातों के उन्नयन, समझौता निपटान के द्वारा वसूली सरफेसी अधिनियम के अधीन आस्तियों की बिक्री के परिणाम में पर्याप्त सीमा तक उन्नयन और नकदी वसूली में सुधार हुआ है.

सकल एन.पी.ए. में समग्र रूप में ₹ 1164 करोड़ की वृद्धि हुई वह 31.03.2013 को ₹ 1452 करोड़ के स्तर से बढ़कर 31.03.2014 को ₹ 2616 करोड़ हो गया. बैंक का सकल एन.पी.ए. अनुपात 31.03.2013 के 2.19% से बढ़कर 31.03.2014 को 3.33% हो गया.

बैंक का निवल एन.पी.ए. 31.03.2013 को 1.39% था और वह 31.03.2014 को 2.35% हो गया. बैंक के निवल एन.पी.ए. में समग्र रूप में ₹ 902 करोड़ की वृद्धि हुई और वह 31.03.2013 को ₹ 917 करोड़ से बढ़कर 31.03.2014 को ₹ 1819 करोड़ तक पहुंच गया.

वर्ष के दौरान, सकेंद्रित प्रयासों से आपके बैंक ने अब तक की सबसे अधिक ₹ 416 करोड़ की नकद वसूली, अब तक की सबसे अधिक ₹ 361 करोड़ का उन्नयन और अब तक का सबसे अधिक ₹ 187 करोड़ का बट्टे खाते में डाली गई रकम की वसूली की.

वर्ष के दौरान बैंक ने विभिन्न क्षेत्रों में 1821 वसूली शिविरों का आयोजन किया जिनमें 25302 उधारकर्ताओं ने भाग लिया. वर्ष के दौरान इन वसूली शिविरों में ₹ 42.60 करोड़ के 7662 खातों का निपटान किया गया और ₹ 21.21 करोड़ के 1233 खातों का उन्नयन किया गया.

नए पूंजी पर्याप्तता मानदंड

मार्च 2014 को बेसल III के अंतर्गत पूंजी से जोखिम (भारित) आस्ति अनुपात (सी. आर.ए.आर.), 9% आवश्यकता के समक्ष उन्नत होकर मार्च 2014 को 11.14% रहा जबकि मार्च 2013 को वह 10.47% था.

31.03.2014 को बैंक की निवल संपत्ति बढ़कर ₹ 5,804 करोड़ हो गई जबकि 31.03.2013 को वह ₹ 4,626 करोड़ थी, इसमें ₹ 1178 करोड़ (25.46%) की वृद्धि हुई.

नेटवर्क और सुपुर्दगी चैनल

सुपुर्दगी चैनलों की संख्या बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए बैंक ने 2013-14 के दौरान 169 नई शाखाएं खोली. मार्च 2014 को बैंक की कुल शाखाओं की संख्या 1633 थी. बैंक की सभी शाखाएं सी.बी.एस. के अंतर्गत परिचालित हैं.

During this year also, in line with National Priorities, deployment has been strategically focused with emphasis on MSME and Retail credit. While MSME loans stood at ₹ 13,217 cr showing an increase of 23.84%, Retail Credit stood at ₹ 9,706 cr, showing an increase of 25.67%. The loans to agriculture sector stood at ₹ 8,016 cr registering a growth of 19.30% as of March 2014.

Total income of the Bank for the year has increased by ₹1,340 cr i.e. an increase of 14.03% and stood at ₹ 10,895 cr compared to income of ₹ 9,555 cr earned during the previous year.

Interest income of the Bank registered an increase by 12.13% and reached a level of ₹ 9,978 cr during the current year.

Bank's net interest income increased by 5.12% and stood at ₹ 2,505 cr as compared to ₹ 2,383 cr posted during the previous year.

Non Interest income has increased by 40% from ₹ 655 cr to ₹ 917 cr during the current year.

As stated earlier, despite challenging economic environment your Bank has posted a Net profit of ₹551.66 cr.

I am happy to announce that the Board of Directors of the Bank have recommended a final dividend of 11% (i.e ₹ 1.10 per Share) for the current year in addition to the interim dividend of 11% paid during January 2014.

Asset Quality:

The asset quality in general has been under stress during the year. However, inspite of such challenging environment, your Bank with its concerted efforts has been able to contain the NPAs. The efforts made for upgradation of recently slipped NPAs, recovery through compromise settlements, action under SARFAESI Act, sale of assets resulted in improving the cash recovery and upgradation to a considerable extent.

The Gross NPA, in absolute terms, increased by ₹ 1,164 cr from ₹ 1,452 cr on 31st March 2013 to ₹ 2,616 cr as on 31st March 2014. Gross NPA ratio of the Bank increased to 3.33 % as on 31.03.2014 from 2.19 % as on 31.03.2013.

The Net NPA ratio of the Bank stood at 2.35% as on 31.03.2014 as against 1.39% as on 31.03.2013. Net NPAs, in absolute terms increased by ₹ 902 cr from ₹ 917 cr as on 31st March 2013 to ₹ 1,819 cr as on 31st March 2014.

During the year, on account of the concerted efforts, your Bank recorded highest ever cash recovery of ₹ 416 cr, highest ever upgradation of ₹ 361 cr and highest ever recovery in Written Off accounts at ₹ 187 cr.

The Bank conducted 1,821 recovery camps during the year, which were attended by 25,302 borrowers. A total of 7,662 accounts were settled for ₹ 42.60 cr and 1,233 accounts were upgraded for ₹ 21.21 cr during the year through such recovery camps.

New Capital Adequacy Norms:

The Capital to Risk (Weighted) Asset Ratio (CRAR) under Basel III improved to 11.14% as of March 2014, compared to 10.47 % as of March 2013, against the requirement of 9%.

The Net Worth of the Bank increased to ₹ 5,804 cr as on 31.03.2014 from ₹ 4,626 cr as on 31.03.2013, registering a growth of ₹. 1,178 cr (25.46%).

Network and Delivery Channels:

In the efforts to expand outreach, Bank has opened 169 new branches during 2013-14. The total number of branches of the Bank stood at 1633 as of March 2014. All the branches of the Bank are covered under CBS.

चालू वर्ष के दौरान बैंक की देश के ऐसे विभिन्न भागों में 150 और शाखाएं खोलने की योजना है जिनमें बैंक की शाखाएं कम हैं और जो क्षेत्र अभी तक बैंकिंग सुविधाओं से वंचित हैं.

ग्राहकों की सुविधा के लिए 31.03.2014 को बैंक के कुल 1421 ए.टी.एम. थे जिनमें 1298 ऑनसाइट तथा 123 ऑफसाइट ए.टी.एम. थे. 23 ए.टी.एम. अंगूठे के निशान से परिचालित किए जा सकते हैं जोकि (वित्तीय समावेशन के अंतर्गत) छोटे ग्राहकों तथा कम पढ़े लिखे ग्राहकों के लिए सुविधाजनक हैं. बायोमैट्रिक ए.टी.एम. ग्राहकों को अनुदेश भी बताते हैं.

मानव संसाधन प्रबंधन

बैंक जैसे संस्थान को सफल होने के लिए यह सुनिश्चित करना बहुत महत्त्वपूर्ण है कि जनशक्ति, जो बैंक के ग्राहकों के साथ संपर्क करते हैं, वह पर्याप्त प्रशिक्षित और कुशल होने चाहिए. बैंक अपने कर्मचारियों को विभिन्न स्थानों पर स्थित अपने कर्मचारी प्रशिक्षण केन्द्रों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करता है और प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे एन.आई.बी.एम., सी.ए.बी., बी.आई.आर.डी., आदि के माध्यम से ही प्रशिक्षण प्रदान करता है.

वर्ष के दौरान बैंक ने 918 अधिकारियों (जिसमें परिवीक्षाधीन अधिकारी भी शामिल हैं) और 827 लिपिक और 331 अधीनस्थ कर्मचारी भर्ती किए और 588 अधिकारियों को उच्च संवर्ग में पदोन्नति प्रदान की. बैंक ने 586 परिवीक्षाधीन अधिकारियों, 217 विशेषज्ञ अधिकारियों तथा 834 लिपिकों की भर्ती के लिए कार्रवाई आरंभ कर दी है ताकि वर्ष 2014-15 के दौरान नई शाखाएं खोलने और कारोबार बढ़ाने के लिए कार्मिकों की आवश्यकता पूरी की जा सके.

टेक्नोलॉजी के माध्यम से रूपांतरण

मार्च 2014 को बैंक की सभी 1633 शाखाएं और समस्त कारोबार को सी.बी.एस. के अंतर्गत लाया गया.

देना आई कनेक्ट - इंटरनेट बैंकिंग सेवाएं और **देना एम कनेक्ट** - मोबाइल बैंकिंग सेवा ग्राहकों को उनके घर या कार्यालय से ही 24x7 बैंकिंग लेन देन करने की सुविधा प्रदान करती है. बैंक के ग्राहक शाखा में गए बिना इंटरनेट के माध्यम से प्रत्यक्ष करों और अप्रत्यक्ष करों का भुगतान कर सकते हैं तथा एन.ई.एफ.टी./आर.टी.जी.एस. के माध्यम से अपनी निधियों का अंतरण भी कर सकते हैं.

मोबाइल बैंकिंग के क्षेत्र में आपके बैंक ने राष्ट्रीय भुगतान काउंसिल द्वारा आरंभ की गई तुरंत भुगतान सेवा (आई.एम.पी.एस.) आरंभ की है जिससे ग्राहक अपने बैंक खातों का संचालन करने के लिए और निधियों का प्रेषण करने के लिए मोबाइल उपकरण का चैनल के रूप में उपयोग कर सकें.

ग्राहकों के लिए सुरक्षा के उपाय के रूप में आपके बैंक ने आर.टी.जी.एस. / एन. ई.एफ.टी. और ए.टी.एम. लेनदेनों सहित एक निर्धारित सीमा से अधिक सभी लेनदेनों के लिए ग्राहकों को एस.एम.एस. अलर्ट भेजना आरंभ कर दिया है.

सावधि जमाओं की परिपक्वता की तिथि तथा ऋण किश्तों की देय तिथि के लिए भी ग्राहकों को एस.एम.एस. अलर्ट भेजे जाते हैं.

बैंक ने नकद जमा, पास बुक प्रिंटिंग, चेक जमा करने, ए.टी.एम. और इंटरनेट बैंकिंग किऑस्क की सेवा प्रदान करने के लिए प्रायोगिक आधार पर दो ई-लॉबियों की स्थापना की है. ग्राहक, दिन के 24x7 आधार पर इन सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं.

प्रायोगिक आधार पर शुरू की गई ई-लॉबियों के कार्यनिष्पादन का विश्लेषण करने के बाद वित्तीय वर्ष 2014 के दौरान पर्याप्त संख्या में ई-लॉबियां की संख्या बढ़ाई जाएगी.

वित्तीय समावेशन योजना

बैंक को वित्तीय समावेशन के अंतर्गत 2768 गांव आवंटित किए गए हैं. तथापि, बैंक ने निर्धारित लक्ष्य पार कर लिया और 2958 गांव वित्तीय समावेशन में शामिल कर लिए. 154 गांव भौतिक शाखाओं द्वारा वित्तीय समावेशन में शामिल किए गए और 2804 गांव कारोबार प्रतिनिधि मॉडल के माध्यम से वित्तीय समावेशन के अंतर्गत शामिल किए गए.

बैंक ने वर्ष के दौरान 4.41 लाख आधारभूत बचत खाते खोले हैं और 4.25 लाख नए खाते खोलने के निर्धारित लक्ष्य को पार कर लिया है. बैंक में 24.55 लाख आधार बैंक बचत खाते हैं.

During the current year, Bank proposes to open around 150 more Branches in various parts of the country.

As at 31st March 2014, the Bank has installed 1,421 ATMs comprising of 1,298 on-site ATMs and 123 Off-site ATMs for the convenience of customers. 23 of the ATMs are bio-metric ATMS and can be operated by thumb impression which is convenient for small customers (under financial inclusion) and semi-literate persons. The bio-metric ATMs also speak out instructions to the customers.

Human Resource Development:

For an organization like Bank to succeed, it is of prime importance that human resources are adequately skilled and efficient. Bank has been imparting training to its employees at its in- house training centers at various locations and also through reputed institutions like NIBM, CAB, BIRD, etc.

During the year, the Bank has recruited 918 officers (including PO's), and 827 clerks and 331 sub-staff and also promoted 588 officers to higher scale. Bank has initiated process for further intake of 586 Probationary Officers, 217 Specialist officers and 834 clerks to meet its requirements of personnel for increasing business levels and opening of new branches during 2014-2015.

Transformation through Technology:

As of March 2014, all the 1,633 branches of the bank and the entire business have been brought under CBS.

"***Dena i Connect***" - Internet Banking services *and* ***Dena MConnect*** the mobile Banking Service provide customers the convenience of performing banking transactions on 24x7 basis from their home or office. The customers of the Bank can make payment of Direct Taxes and Indirect Taxes, transfer funds through NEFT/RTGS through internet without visiting the branch.

In mobile banking arena, your bank introduced Immediate Payment Service (IMPS) launched by National Payment Council to enable bank customers to use mobile instruments as a channel for accessing their bank accounts and remit funds.

As a customer protection measure, your Bank has started sending SMS Alert to customers for all transactions including RTGS / NEFT and ATM transactions.

SMS Alerts are sent to customers for due dates of Term Deposits as well as Loan installments also.

Bank has established two E-Lobbies on Pilot basis offering services such as Cash Deposit, Pass Book Printing, Cheque Deposit, ATM and Internet Banking Kiosk. Customers can avail these facilities 24X7 basis.

The number of E-Lobbies will be substantially increased in FY 2014-15 after analyzing the performance of E-Lobbies launched on Pilot basis.

Financial Inclusion Plan:

Bank has been allotted 2,768 villages under Financial Inclusion. However, the Bank has exceeded the target and covered 2,958 villages, 154 villages are covered through Brick and Mortar Branch and 2804 villages have been covered through Business Correspondent model.

Bank has opened 4.41 lac Basic Savings Bank Accounts during the year and surpassed the target of 4.25 lac accounts. There are 24.55 lac Basic Savings Bank Accounts in the Bank.

प्रथम चरण में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के लिये पहचान किए गए 43 जिलों में से, बैंक ने 34 जिलों में 170 शाखाओं के जरिए अपनी उपस्थिति दर्ज की. सभी 170 शाखाओं में ए.टी.एम. लगाए गए हैं. खोले गए सभी 5574 लाभार्थी खातों में आधार संख्या दे दी गई है और एन.पी.सी.आई. मैपर के साथ उनको सुव्यवस्थित कर दिया गया है.

प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के दूसरे चरण में पहचाने गए 78 जिलों में से 40 जिलों में बैंक ने 195 शाखाओं के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज की है. सभी 195 शाखाओं में ए.टी.एम. लगाए गए हैं. सभी 42310 लाभार्थियों के खोले गए खातों में से 13495 लाभार्थियों की आधार संख्या उपलब्ध थी और एन.पी.सी.आई. मैपर के साथ उनको सुव्यवस्थित कर दिया गया है.

विदेश में उपस्थिति

बैंक ने 24 दिसंबर, 2013 को लंदन में अपने प्रतिनिधि कार्यालय को खोला है.

कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी

कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी द्वारा समाज के कल्याण में योगदान के लिए बैंक ने सामाजिक परियोजनाएं आरंभ की हैं जिससे जीवनयापन के साधन तैयार होंगे और ग्रामीण रूपांतरण और शिक्षा में भी योगदान होगा.

जिन जिलों में बैंक अग्रणी बैंक की जिम्मेदारी का निर्वहण कर रहा है ग्रामीण जनता को स्वरोजगार प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बैंक ने रू.3.50 करोड़ की पूंजी के साथ उन जिलों में **12 ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी)** स्थापित किए हैं.

4 आरसेटी केंद्रों पर उनके भवन निर्माण के लिए ₹ 3.86 करोड़ की बैंक ने प्रतिबद्धता की है.

वर्ष 2012-13 के लिए ग्रेडिंग प्रक्रिया के दौरान ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, ने आरसेटी पाटण और धमतरी को 'ए.ए.' 7 आरसेटी को 'बी.ए.' और 2 आरसेटी को 'बी.बी.' ग्रेडिंग प्रदान की है.

आपका बैंक अपने सेवा क्षेत्र के गांवों में बालिकाओं की शिक्षा भी प्रायोजित कर रहा है. इस योजना के अंतर्गत बैंक गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों की पहचान की गई बालिकाओं को ₹ 2000/- तथा ₹ 1500/- प्रतिवर्ष की छात्रवृत्ति प्रदान करता है. इन बालिकाओं का चयन बैंक के कार्य क्षेत्र के अंतर्गत गांवों के प्रत्येक स्कूल में 7वीं कक्षा में प्रथम तथा द्वितीय रैंक के आधार पर किया जाता है. इस योजना के अंतर्गत बैंक ने अब तक 2447 बालिकाओं को छात्रवृत्ति प्रदान की है.

बैंक ने यूनायटेड इंडिया इंश्यूरेंस कंपनी (यू.आई.आई.सी.) के साथ गठबंधन करके डी.के.सी.सी. उधारकर्ताओं के लाभ के लिए एक योजना बनाई है. उसके अंतर्गत किसानों और उनके परिवार के सदस्यों को अधिकतम ₹ 30000/- तक कैशलेस मेडिक्लेम सुविधा प्रदान की जाती है. इस योजना के लिए ₹ 8.00 करोड़ की निधि आवंटित की गई है.

भावी योजनाएं

आगे, आगामी वित्त वर्ष में आर्थिक विकास दर बढ़ने की संभावना है क्योंकि सुधार की प्रक्रिया जारी है और उसके परिणाम आने शुरू हो गए हैं. एशियन डेवेलपमेंट बैंक ने 2015 में भारत की विकास दर बढ़कर 6% प्रोजेक्ट की है.

बैंक ने विभिन्न सेक्टरों में वृद्धि की दर बनाए रखने के लिए योजना बनाई है. अपना ग्राहक आधार बढ़ाने के लिए बैंक देश के ऐसे विभिन्न भागों में नई शाखाएं खोलेगा और विशिष्ट एन.आर.आई. शाखाएं खोलेगा, रिटेल प्रोसेस को मजबूती प्रदान करेगा और देशभर में दो सौ ई-लॉबीज की स्थापना करेगा, नकदी प्रबंधन सेवा प्रदान करेगा और रूपे प्लेटिनम डेबिट कार्ड जारी किए जाएंगे.

आगे, बैंक एम.एस.एम.ई., रिटेल तथा कृषि जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा और अपने साख संविभाग को विविधता प्रदान करेगा.

वित्तीय समावेशन के लिए भारत सरकार के निदेशों के अनुसार बैंक गुजरात और महाराष्ट्र राज्य में कुछ चुने हुए शहरी क्षेत्रों में प्रवासी कामगारों को अन्य पक्ष के सेवा प्रदाता के माध्यम से बैंकिंग सेवाएं प्रदान करके शहरी वित्तीय समावेशन का कार्य आरंभ करेगा.

Of 43 districts identified in phase 1 for Direct Benefit Transfer, in 34 districts, Bank has presence through its 170 branches. ATMs are installed in all the 170 branches. For all the 5,574 beneficiaries accounts have been opened, Aadhaar numbers have been seeded in CBS and also mapped to NPCI mapper.

Of 78 districts identified in phase 2 for Direct Benefit Transfer, in 40 districts, Bank has presence through its 195 branches. ATMs are installed in all the 195 branches. Accounts have been opened for all 42,310 beneficiaries and in case of 13,495 beneficiaries where Aadhaar numbers were available the same have been seeded in CBS and also mapped to NPCI mapper.

Overseas Presence

Bank has opened its Representative Office in London on 24th of December, 2013.

Corporate Social Responsibilities

In its endeavor to contribute to the society by way of Corporate Social Responsibility, Bank has taken initiatives for social projects which can facilitate visible change in creating sustainable livelihoods and contribute to rural transformation and education.

To provide self employment training to rural populace, Bank has, with a corpus of ₹ 3.50 cr, set up 12 Rural Self Employment Training Institutes (RSETIs) in districts where bank is shouldering the responsibility of lead bank.

Bank has committed ₹ 3.86 cr for construction of building at 4 RSETI centres.

During the grading exercise for the year 2012-13 by Ministry of Rural Development, Govt. of India, RSETI Patan & Dhamtari has been graded 'AA', 7 RSETI's as 'BA' & 2 RSETI's as 'BB'.

Your Bank has also been **Sponsoring Education of Girl Child** in the villages served by the Bank. Under the scheme the Bank has been providing scholarships of ₹ 2000/- and ₹ 1500/- per annum to identified girl student belonging to Below Poverty Line (BPL) family who are selected from each of the schools based on first and second rank secured in 7th Standard from the villages under the command area of the Bank.The Bank has so far provided scholarships to 2,447 girl students under the scheme.

Bank under tie-up with United India Insurance company (UIIC) has devised a scheme for the benefit of DKCC Borrowers to provide free cashless **mediclaim** facility to the farmers & their family members with maximum cover up to Rupees Thirty Thousand. A corpus of ₹ 8.00 cr has been allocated for this scheme.

Future Outlook:

Going forward, economic growth is likely to accelerate in the next fiscal as the reform process continues and begins to bear fruit. Asian Development Bank has projected India's growth rate to increase to 6% in 2015.

The Bank's strategy in maintaining its momentum of growth shall be multi pronged. In order to expand its customer base and enhance customer service, Bank will be opening new Branches in various parts of the country, establish specialized NRI Branch, strengthen Retail Process Hubs and SME Processing Centres, establish two hundred E-Lobbies across the country, provide Cash Management Service and Issue RuPay Platinum Debit Card.

Further, Bank shall concentrate on thrust areas such as MSME, Retail and Agriculture and diversify its credit portfolio.

In line with the Government of India initiatives on Financial Inclusion, the Bank will embark upon its urban financial inclusion plan by providing banking services to migrant workers / labourers in select urban areas of Gujarat and Maharashtra.

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

आभार

मैं बैंक के सम्मानित ग्राहकों, शेयरधारकों तथा शुभचिंतकों को बैंक की प्रगति में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए अपना धन्यवाद व्यक्त करता हूं तथा भविष्य में भी उनके सतत् समर्थन एवं सहयोग की अपेक्षा करता हूं.

मैं भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), भारतीय बैंकिंग कोड और मानक बोर्ड (बी.सी.एस.बी.आई.) और भारतीय बैंक संघ (आई.बी.ए.) से प्राप्त समयोचित सलाह, महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं समर्थन के लिए भी आभार व्यक्त करता हूं.

बैंक के निदेशक मंडल से प्राप्त महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन, समर्थन और सहयोग के लिए भी अपना आभार व्यक्त करता हूं.

मैं वित्तीय संस्थानों / बैंकों और प्रतिनिधियों के प्रति भी बैंक को उनके द्वारा दिए गए सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद व्यक्त करता हूं.

स्टाफ सदस्यों के सभी स्तरों पर दिए गए महत्त्वपूर्ण योगदान के प्रति भी मैं आभार व्यक्त करता हूं, जिनके सहयोग के बिना बैंक द्वारा की गई प्रगति संभव नहीं होती. मैं बैंक के त्वरित कारोबार विकास तथा प्रगति में आपसे निरंतर सहयोग की आशा रखता हूं.

निदेशक मंडल के लिये और उनकी ओर से

अश्वनी कुमार

अश्वनी कुमार
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Acknowledgements:

I express my sincere thanks to the Bank's valued customers, shareholders and well wishers for their valuable contribution to the progress of the Bank and seek their continued support and co-operation in future.

I acknowledge with gratitude, the timely advice, valuable guidance and support received from Government of India, Reserve Bank of India, Securities and Exchange Board of India (SEBI), Banking Codes and Standards Board of India (BCSBI) and Indian Banks' Association (IBA)

I also acknowledge the valuable guidance, support and co-operation received from the Directors on the Board of the Bank.

I am also thankful to the Financial Institutions / Banks and Correspondents for their cooperation and support to the Bank.

I wish to place on record, the deep appreciation of the valuable contribution of the staff, at all levels, without which the progress achieved, would have been unattainable. I look forward to your continued cooperation in faster business development and progress of the Bank.

For and on behalf of Board of Directors

Ashwani Kumar
Chairman & Managing Director